श्री शरद अनंतराव जोशी (महाराष्ट्र) : सर।

श्री उपसभापति : बस अब हो गया।

श्री शरद अनंतराव जोशी : सर, एक बात, जो बड़ी महत्वपूर्ण है। एक चैनल पर बार-बार यह कहा गया कि उसके बाद 24 घंटे के अंदर तबादला हुआ। इससे माणिक राव गावित जी के चरित्र पर बहुत बड़ा आघात हुआ है। क्या इसके बारे में होम मिनिस्टर साहब कुछ स्पष्टीकरण देंगे? क्योंकि यह 23 मई को संभाषण हुआ और 24 मई के पहले वह जो जेलर था, उसका तबादला हुआ। क्या यह सच है? ...**(व्यवधान)**...

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI SHARAD PAWAR): Transfer of a jailor is the right of the State Government. ...(*Interruptions*)... How can he have a *locus standi*? ...(*Interruptions*)... He has no authority. ...(*Interruptions*)...

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): It is in the State List. ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापति : अच्छा, अब प्रियरंजन दास मुंशी जी एक स्टेटमेंट करेंगे। ...**(व्यवधान)**... लंच आवर डिसपेंस हो गया है।

SHRI SHARAD PAWAR: His name is mentioned last in the list. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रियरंजन दास मुंशी : सर, मैं सदन की इजाजत इसलिए मांग रहा हूँ कि इंडोनेशिया का एक बड़ा डेलीगेशन आया है, जिन्होंने आज ही शाम को चले जाना है। उस डेलीगेशन ने हमको मिलने के लिए टाइम लिया है तीन बजे के बाद, तो उस डेलीगेशन को मिलने के लिए हमको एक प्रोग्राम को एडजस्ट करना पड़ा। ...

श्री उपसभापति : ठीक है, आप बोलिए।

STATEMENT BY MINISTER

Launching of Doordarshan's Urdu channel by Prasar Bharati from 15th August, 2006

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दास मुंशी) : सर, उर्दू हिन्दुस्तान की एक अहम ज़बान है। 52 मिलियन आवाम ने इसे मादरी ज़बान करार दिया है। उर्दू बोलने और समझने वालों की असल तादाद इससे भी कहीं ज्यादा है। उर्दू वालों की आबादी पूरे मुल्क में फैली हुई है - जुनूब में कर्नाटक से आंध्र तक, शुमाल में उत्तरांचल से लद्दाख तक, मगरिब में गुजरात और राजस्थान तक, पूरब में झारखंड और बिहार तक। उर्दू

जम्मू- कश्मीर की सरकारी ज़बान है। दिल्ली, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसी रियासतों में यह दूसरी सरकारी ज़बान की हैसियत रखती है।

उर्दू की अदबी और सक़ाफती रिवायतें कई सदियों पुरानी हैं। शेर, तंज और सूफी लिट्रेचर समेत उर्दू अदब की मुख्तलिफ असनाफ ने हिन्दुस्तान की अदबी और सक़ाफती तारीख को काफी मालामाल किया है। हिन्दुस्तान में सिनेमा और नशरयात के आग़ाज़ के साथ उर्दू फिल्म देखने वालों, फिल्मी नाक़दीन और रेडियो के सामईन में बहुत मक़बूल हो गई।

दूरदर्शन अपने बहुत से चैनलों से उर्दू प्रोग्राम नशर करता आया है, लेकिन ऐसा कोई चैनल नहीं है, जो कि कौमी सतह पर उर्दू ज़बान और इसकी पुरइमारत सक़ाफत के लिए मख़सूस हो। इस वक्त जो उर्दू प्रोग्राम और उर्दू खबरें नशर होती हैं, वे ही उर्दू बोलने वाली आबादी की मालूमाती, तालीमी और सक़ाफती ज़रूरतों के लिए नाकाफी है।

इस तरह के किसी अकदाम की शदीद जरूरत को महसूस करते हुए और इस सिलसिले में रायआम्मा को ध्यान में रखते हुए मेरे पेशेरु डा0 एस0 जयपाल रेड्डी जी ने 23 अगस्त, 2004 को ऐवान में इसका यकीन दिलाया था कि दूरदर्शन का उर्दू चैनल शुरु किया जाएगा। मुझे इस ऐवान में इस बात का ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि इफरादी क़ुव्वत और दीगर वसाइल की कमी के बावजूद प्रसार भारती 15 अगस्त, 2006 से डीडी उर्दू चैनल शुरु करके इस यकीन-दहानी को अमली जामा पहना रही है।

यह न सिर्फ प्रसार भारती की तारीख में एक संग-ए-मील की हैसियत रखता है, बल्कि मजमूई तौर पर हिन्दुस्तान के अबलाग़ी मंज़रनामे में एक जहत का इज़ाफा है। डी0डी0 उर्दू चैनल का इफ्तिताह इज्ज़त-मआब वज़ीर-ए-आज़म, डा0 मनमोहन सिंह कर रहे हैं। शुरु में रोज़ाना 7 घंटे का ट्रांसमीशन होगा। बाद में इसकी तोसी करके इसे रात-दिन कौम की खिदमत में रखा जाएगा। इस मक़सद के लिए सॉफ्टवेअर बनाने की तैयारियां मुक्तलिफ मराहिल में हैं।

फिलहाल उर्दू चैनल सी0पी0सी0, देहली से चलाया जाएगा, चूंकि अपलिंकिंग की सहूलियत वहीं पर है, मुनासिब वक्त पर इसे आकाशवाणी भवन मुन्तकिल कर दिया जाएगा। इस बीच अपलिंक इनसैट-3 ए के ट्रांसपोंडर से होगा। मुस्तकबिल करीब में डी0डी0 की इनसैट-4ए पर जगह मिल जाएगी। उर्दू चैनल को इसी नए इनसैट पर मुन्तकिल कर दिया जाएगा। दूरदर्शन को डी0टी0एच0 सर्विस, डी0डी0 डायरेक्ट + समूह का 50 से 100 चैनलों तक तोसी के साथ एक स्लॉट डी0डी0 उर्दू चैनल को अलॉट कर दिया जाएगा।

डी0डी0 उर्दू को एक हेरिटेज चैनल के तौर पर तशकील दिया गया है, जिसकी कलहम सूरत तफरीह, मालूमात-ए-अम्मा, तमद्दुन और ज़रूरी इत्तलाआत पर मुश्तमिल होगी। ट्रांसमिशन के आग़ाज़ में आधे घंटे का न्यूज़ मैग्ज़ीन होगा। इसके बाद डी0डी0 मुम्बई से तैयारशुदा एक घंटे का प्रोग्राम नशर होगा। हमें इसका पूरा यकीन है कि इस चैनल को तमाम तबकों के लोग देखेंगे, लोग एक दूसरे के करीब आएंगे, असल कौमी धारे में शामिल होंगे, उर्दू के मतवालों की लिसानी उमंगों को एक पहचान मिलेगी, इनको एक इज़हार का वसीला मिलेगा।

हमें यकीन है कि इस चैनल के वजूद से सॉफ्टवेअर की बनावट में दरकार आने वाली एजेंसियों की ज़रूरत रोज़गार की फराहमी के मसले को काफी हद तक हल करने में मददगार साबित होगी और यू0पी0ए0 सरकार का दिया हुआ वचन पूरा होगा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Bagrodia, do you want to seek clarifications?

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan) : Sir, I congratulate the hon. Minister who has brought this new channel for the country though it is belated but finally he has brought it. So, we are all very happy about it.

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश) : उर्दू में दीजिए बधाई, अंग्रेज़ी में बधाई क्यों दे रहे हैं।

श्री संतोष बागड़ोदिया : आप तो तमिल में भी बोल लेंगी, आप तो कन्नड़ में भी बोल लेंगी, आप कई भाषाओं में बोलती हैं, लेकिन हम उतनी भाषाओं में नहीं बोल सकते।

Sir, I would like to know from the hon. Minister how fast he would bring this 24 hour channel. Sir, he has not given the time-frame. There should be a time frame for that. Another thing is, he has mentioned that उर्दू चैनल की शुरूआत करके प्रसार भारती ने उस आश्वासन की पूर्ति के लिए एक छोटी सी शुरूआत की है। This is not a छोटी सी शुरूआत, it is a real good thing which has been done. But, only half-an-hour news is not sufficient. This time is very little. At least, half-an-hour in the morning and one hour in the evening and something like that can be done because उर्दू समझने वाले जो लोग हैं, उन लोगों को भी हिन्दुस्तान की पूरी न्यूज मिलनी चाहिए।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : पूरा सदन यू0पी0ए0 की जानिब से हमारे इज्जत मुआब मुंशी जी की रहनुमाई में यह इतना काबिले तारीफ कदम उठाया गया है, उसके लिए सब मुबारकबाद दे रहे हैं, सब शरीक हो रहे हैं। तो मैं सोचता हूं कि इसमें पूरे सदन की रायशुमारी लेकर इसके लिए सरकार को मुबारकबाद देनी चाहिए।

श्री उपसभापति : वे एक शेर बोलेंगे।

श्री उदय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं पहले तो मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं और एक बात कहना चाहता हूं कि इसमें जरूरत इस बात की थी कि हिन्दी और उर्दू को एक दूसरे के नजदीक लाया जा रहा है। हिन्दुस्तान के बहुत बड़े शायर अकबर इलाहाबादी का एक शेर है :

"कि हिन्दी और उर्दू में फर्क है इतना,
वे ख्वाब देखते हैं, हम देखते हैं सपना।"

सिर्फ ख्वाब और सपना के अलावा कोई फर्क नहीं है। इसलिए इस चैनल के द्वारा जो बात मैं समझता हूं एक बहुत बड़ा काम होगा कि हिन्दी और उर्दू एक दूसरे के बहुत नजदीक आएंगी और वैसे उनमें बहुत कम अंतर है, यह बात हम जानते हैं। पुन: एक बार मैं आपको बधाई देता हूं और इसलिए मैंने उर्दू बोलने की कोशिश नहीं की, हालांकि मेरी तालिम की इब्दता उर्दू से ही हुई थी।

श्री सीताराम येचुरी (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं समर्थन करना चाहता हूं।

श्री उपसभापति : समर्थन तो पूरा हाउस कर रहा है।

श्री सीताराम येचुरी : सर, हमारी पार्टी की तरफ से देर आई लेकिन दुरुस्त आई यह बात और हम यह समझते हैं कि यह जरूरी है कि सर, इसलिए बोल रहा हूं कि मेरी तालीम हुई थी हैदराबाद में और हैदराबाद में तालीम होने की वजह से...**(व्यवधान)**...

श्री सुरेश पचौरी : ताब्बुल करिए समर्थन नहीं।

श्री सीताराम येचुरी : यह एक बहुत अहम बात है, स्टेटमेंट के अंदर तब्दीली तो होती नहीं है, सिर्फ मैं यही कहना चाहूंगा कि आप यह भी जोड़ दीजिए कि आज हिन्दी फिल्मों के किसी भी गाने में बिना उर्दू लफ्ज के गाना बनता ही नहीं है। तो इसलिए यह जरूरी है और यह सरकार अच्छा कदम उठा रही है, इसकी पूरी सहमति है।

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : उपसभापति जी, यह एक एतिहासिक कदम है और मैं अपनी पार्टी की ओर से माननीय मंत्री जी को बधाई देता हूं। बिहार में उर्दू दूसरी भाषा है। इन्होंने उर्दू को बड़ा सम्मान दिया है यह पहले मिलना चाहिए था। इन्होंने कहा है कि 52 मिलियन लोगों की जुबान उर्दू है। देर-आये-दुरुस्त-आये, यह एक एतिहासिक कदम है। मैं अपनी पार्टी की ओर से पुनः बधाई देता हूं।

श्री अनवर अली (बिहार) : महोदय, मैं जे0डी0यू0 की तरफ से मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि वे मुबारकबाद के मुस्तैद हैं यह उर्दू का चैनल शुरू करके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we take up the further discussion on the Central Silk Board (Amendment) Bill, 2005.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, has the lunch hour been suspended?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, the lunch hour has been suspended because there is a function in the evening.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, let the Minister accept the congratulations.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has already replied.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: But let him accept the congratulations. मंत्री जी, आप एक्सेप्ट तो करिए।

श्री प्रियरंजन दास मुंशी : महोदय, मुझे इस बारे में आपने समर्थन दिया, बधाई दी। मैं इस चैनल को इस ढंग से बढ़ाऊंगा कि पाकिस्तान के लोग हमें खत लिखें कि मुझे हिन्दुस्तान के उर्दू चैनल के कैसट भेजो।

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka) : What about Special Mentions?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Special Mentions will be taken up after the legislative business. Now, Shri Acharya.

THE CENTRAL SILK BOARD (AMENDMENT) BILL, 2005 - *Contd.*

श्री सूर्यकान्तभाई आचार्य (गुजरात) : माननीय उपसभापति महोदय, सिल्क इण्डस्ट्रीज के बारे में अपनी सरकार ने 1948 में ही सेंट्रल सिल्क बोर्ड का कानून बनाया था। उसका मतलब यह नहीं कि हमारा देश सिल्क के बारे में पहली बार 1948 में जागृत हुआ। सिल्क की हिस्ट्री अपने देश में गौरवशाली है। सिल्क का उपयोग, जब अंग्रेज इस देश में आए, इससे पहले से चलता था। इतना ही नहीं ढाका की मलमल दुनिया भर में मशहूर थी। अंग्रेजों ने यहां आकर अपनी इस इंडस्ट्री को तोड़ने के लिए जो कार्यवाही की, वह अति निंदनीय है। उन्होंने सिल्क के जो कारीगर थे, उनके हाथ तोड़ दिए और सारा सिल्क उद्योग बिल्कुल नष्ट-भ्रष्ट हो गया। आजादी आई और फिर उसी समय से, फिर से हमने सिल्क के बारे में सिल्क इंडस्ट्रीज़ के बारे में सोचना शुरू किया। यह बहुत अच्छी बात थी। सिल्क इंडस्ट्री में चाइना, जापान हमारे कम्पिटेटर हैं और थे। यह एक ऐसी इंडस्ट्री है जिसमें हजारों लोगों को काम मिलने की जबरदस्त क्षमता है। सिल्क इंडस्ट्री के बारे में, मैं कुछ बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत कल्टिवेशन से होती है। कल्टिवेशन यानी कई पेड़ ऐसे हैं, जिनको हमें बोना पड़ेगा, प्लांटेशन करना पड़ेगा और उन प्लांटेशन से ही आगे सिल्क इंडस्ट्री बन सकेगी। सिल्क में तीन-चार-पांच प्रकार के पेड़ बोये जाते हैं - एक मलबरी है, एक टसर है। प्लांटेशन के लिए जमीन चाहिए, जमीन अनुकूल चाहिए, उनमें प्लांटेशन करना चाहिए और प्लांटेशन करने के बाद, उनके जो पत्ते हैं, वे सिल्क वर्म को खाने के लिए दिए जाते हैं। उन पत्तों को खाने से सिल्क वर्म बड़ा होता है। उसके बाद जो सिल्क वर्म है, जिसको हम लार कहते हैं, उसको निकालकर के अपने आजू-बाजू में रिले देते हैं। थोड़े दिन के बाद सिल्क वर्म के ऊपर का जो धागा बना है, उसको निकाल कर के उसका रिलिंग किया जाता है और उसके बाद जो सिल्क वर्म है, वह उसमें से बाहर निकल जाता है। थोड़े ही समय में, जो सिल्क वार्म है, उसका फीमेल सिल्क वर्म के साथ समागम होता है, समागम होने के बाद जो फीमेल सिल्क वर्म है, वह गर्भवती है और सिल्क वार्म जो मेल है, वह उसी वक्त मर जाता है। उसके बाद जब फीमेल जिंदा रहती है, वह अंडा देती है और उसी वक्त वह फीमेल भी मर जाती है। यह नई टेक्नीक है। पहले ऐसे सिल्क वर्म को गर्म जल में, पानी में डुबा देते थे, सिल्क वर्म मर जाता था और फिर यह जो रहता था, उसमें से रेशम का धागा बनता था। हमारे देश में आज भी अहिंसा के प्रति लोगों के मन में मान है, सम्मान है। इसीलिए कई लोग सिल्क इंडस्ट्री में इसलिए नहीं जाते थे क्योंकि पहले वॉर्म्स को गर्म पानी में डाल करके मार डालना पड़ता था। किन्तु अब ऐसी तकनीक आ गयी है जिसमें सिल्क वॉर्म जिंदा रहता है, उसको मारने की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए कई नए लोग भी इस इंडस्ट्री में आ रहे हैं, आने वाले हैं। पहले फीमेल वॉर्म भी अंडा देने के बाद मर जाती थी। अंडे में से निकलने के बाद वॉर्म बहुत छोटी अवस्था में होता है। उन वॉर्म्स को, जो तीन चार तरह की प्लांटेशंस है, जिसमें mulberry है, tusser है, eri है, उनके पान खिला दिए जाते हैं। वह पान